RAMAKRISHNA MISSION
SHILLONG
52nd[t] CULTURAL COMPETITION, 2026

Language: Hindi   Group: B   Class: VII - VIII
Date: 12.07.26   Time: 3.00 P.M.

धीरज रखो तनिक और हे वीर हृदय!

स्वामीजी का पत्र - खेतड़ी महाराज एवं प्रबुद्ध भारत के प्रति

धीरज रखो तनिक और हे वीर हृदय[1] !
भले ही तुम्हारा सूर्य बादलों से ढक जाय,
आकाश उदास दिखायी दे,
फिर भी धैर्य धरो कुछ हे वीर हृदय,
तुम्हारी विजय अवश्यंभावी है।
शीत के पहले ही ग्रीष्म आ गया,
लहर का दबाव ही उसे उभारता है
धूप-छाँह का खेल चलने दो
और अटल रहो, वीर बनो !
जीवन में कर्तव्य कठोर हैं,
सुखों के पंख लग गये हैं,
मंजिल दूर, धुंधली सी झिलमिलाती है,
फिर भी अन्धकार को चीरते हुए बढ़ जाओ,
अपनी पूरी शक्ति और सामर्थ्य के साथ !
कोई कृति खो नहीं सकती और
न कोई संघर्ष व्यर्थ जायगा,
भले ही आशाएँ क्षीण हो जायें
और शक्तियाँ जवाब दे दें।
हे वीरात्मन्, तुम्हारे उत्तराधिकारी
अवश्य जनमेंगे
और कोई सत्कर्म निष्फल न होगा !
यद्यपि भले और ज्ञानवान कम ही मिलेंगे,
किन्तु, जीवन की बागडोर उन्हींके हाथों में होगी,
यह भीड़ सही बातें देर से समझती है,
तो भी चिन्ता न करो, मार्ग-प्रदर्शन करते जाओ।
तुम्हारा साथ वे देंगे, जो दूरदर्शी हैं,
तुम्हारे साथ शक्तियों का स्वामी है,
आशीषों की वर्षा होगी तुम पर,
ओ महात्मन्,
तुम्हारा सर्वमंगल हो !